Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Govt. of Haryana

No. 8-2021] CHANDIGARH, TUESDAY, FEBRUARY 23, 2021 (PHALGUNA 4, 1942 SAKA)

General Review

पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग, हरियाणा, चण्डीगढ़ की वर्ष 2019–20 की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट की समीक्षा।

दिनांक 3 फरवरी, 2021

क्रमांक नं० 8/23–2017–पुरा०/337–338.—

हरियाणा राज्य में पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग का उद्भव 1972 में स्वतंत्र रूप से एक निदेशालय के रूप में हुआ। तब से पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग ने विभिन्न क्षेत्रों में कई विशेष उपलब्धियां प्राप्त की हैं।

इस विभाग की प्रमुख गतिविधियां पुरातात्विक अवशेषों का अन्वेषण एवं उत्खनन, प्राचीन स्मारकों/स्थलों का संरक्षण, संग्रहालय सम्बन्धी गतिविधियां तथा पुरावस्तुओं का रासायनिक उपचार करना आदि है।

विषयाधीन वर्ष में रवैन्यु रैकरिंग पर 2,01,00,000/– रूपये, रवैन्यु नोन रैकरिंग पर 28,32,00,000/–रूपये की बजट की व्यवस्था थी। जिसके विरूद्ध रवैन्यु रैकरिंग पर 1,69,02,000/–रूपये खर्च हुए व 3,65,20,000/–रूपये नान रैकरिंग के विरूद्ध खर्च हुए।

विभाग द्वारा वर्ष 2019–20 में कुनाल, जिला फतेहाबाद में विभाग और इण्डियन आरक्योलोजिकल सोसायटी, नई दिल्ली एवं राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से उत्खनन कार्य करवाया गया। खुदाई से प्राग हड़प्पन से लेकर चित्रित धूसर मृदभांड संस्कृति तक के अवशेषों का पता चला है और ये भारत में प्राग हड़प्पन के सबसे पहले अवशेषों में से एक माना जाता है।

चण्डीगढ़:
दिनांक 10 सितम्बर, 2020.

अशोक खेमका,
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग।

Review of the Annual Administrative Report of the Archaeology and Museums Department, Haryana for the Year 2019-2020

The 3rd February, 2021

No. 8/23-2017-Pura/337-338.—

The Department of Archaeology and Museums, Haryana started functioning as an independent directorate in the year 1972. Since then the Archaeology and Museums Department has made remarkable achievement in different fields of its activities.

The main functions of the Department include excavation and exploration, conservation of ancient monuments/sites, museum activities and chemical treatment of antiquities.

During the period under report a budget provision of Rs. 2,01,00,000/- was made on the Revenue Recurring and Rs. 28,32,00,000/- in Revenue Non Recurring and Rs. 1,69,02,200/- from Revenue Recurring were spent and Rs. 3,65,20,000/- from Revenue Non Recurring were spent.

During the year 2019-20 archaeological excavation has been conducted by the Department at Kunal in Fatehabad district in collaboration with Indian Archaeological Society, New Delhi and National Museum, New Delhi. Excavation has revealed the remains of Pre-Harappan to Painted Grey Ware Culture (PGW) and were supposed to be one of the earliest remains of Pre-Harappan settlements in India.

Chandigrah:
The 10th September, 2020.

ASHOK KHEMKA,
Principal Secretary to Government Haryana,
Archaeology and Museums Department.

9055—C.S.—H.G.P., Pkl.